भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3864
06/04/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

मौसमी पूर्वानुमान

3864. श्री मुकुल बालकृष्ण वासनिक:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपेक्षित तापमान और बारिश के संबंध में मई, 2023 तक की अवधि के लिए कोई मौसमी पूर्वानुमान तैयार किया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों जहां का तापमान असामान्य रूप से उच्च रहने की संभावना है, वहां ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ । भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने गर्म मौसम ऋतु (मार्च से मई) 2023 के लिए 28 फरवरी 2023 (संदर्भ हेतु प्रतिलिपि संलग्न) को तापमान और वर्षा हेतु मौसमी आउटलुक जारी किया है।

मार्च-मई 2023 के दौरान तापमान परिदृश्य से संबंधित मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार है;

- आगामी गर्म मौसम ऋतु (मार्च से मई (MAM)) के दौरान, पूर्वोत्तर भारत, पूर्व और मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक होने की संभावना है। देश के शेष भागों में अधिकतम तापमान, सामान्य से कम सामान्य रहने की संभावना है।

- गर्म मौसम ऋतु (MAM) के दौरान, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक होने की संभावना है, जहाँ न्यूनतम तापमान सामान्य से कम सामान्य होने की संभावना है।

- मध्य और आसपास के उत्तर पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में मार्च से मई के मौसम के दौरान लू की संभावना बढ़ जाती है। मार्च 2023 के दौरान मध्य भारत में लू चलने की कम संभावना है।

- मार्च 2023 में देश भर में औसत वर्षा सामान्य (एलपीए का 83-117%) रहने की अधिक संभावना है। उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश क्षेत्रों, पश्चिम मध्य भारत और पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की अधिक संभावना है। प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्व मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इक्का-दुक्का स्थानों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

(**ख**) ग्रीष्म ऋतु की 1 अप्रैल से 30 जून तक की अवधि दौरान लू सहित असामान्य रूप से उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए , आईएमडी जनता और उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए कलर कोडेड प्रभाव आधारित लू चेतावनी जारी करता है। IMD ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के सहयोग से लू की तीव्रता और संबंधित चेतावनी के लिए उपयोग किए जाने वाले कलर कोड के संबंध में प्रभावों को अंतिम रूप दिया है और कार्रवाई का सुझाव दिया है।

शमन उपाय के रूप में , भारत मौसम विज्ञान विभाग ने स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से देश के कई हिस्सों में लू की चेतावनी देने और ऐसे अवसरों के दौरान कार्रवाई करने का परामर्श देने के लिए लू कार्य योजना शुरू की है। लू कार्य योजना एक व्यापक पूर्व चेतावनी प्रणाली और अत्यधिक लू की घटनाओं के लिए तैयारी योजना है। इस योजना संवेदनशील आबादी पर अत्यधिक लू के स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए तैयारी, सूचना साझा करना और प्रतिक्रिया समन्वय बढ़ाने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक कार्रवाई की जाती है। NDMA और IMD लू कार्य योजनाओं का समर्थन करने के लिए उन 23 राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं जहां उच्च तापमान के कारण लू चलने की संभावना है।

निम्नलिखित तरीकों से लू की चेतावनियों को प्रसारित किया जाता है:

- मास मीडिया: रेडियो/टीवी, न्यूज पेपर नेटवर्क
- साप्ताहिक और दैनिक मौसम वीडियो
- इंटरनेट (ई-मेल), एफ़टीपी
- सार्वजनिक वेबसाइट (**mausam.imd.gov.in)**
- **IMD** ऐप्स: मौसम / मेघदूत / दामिनी/ रेन अलार्म
- सोशल मीडिया: फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ब्लॉग

*****